"स्वच्छ दूध उत्पादन"

कमल कुमार[1] एवं ललिता गर्ग[2]

[1]विस्तार शिक्षा विभाग, भाकृअनुप–आई.वी.आर.आई., इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश २४३१२२.
[2]पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी प्रभाग, भाकृअनुप–आई.वी.आर.आई., इज्जतनगर, उत्तर प्रदेश २४३१२२.

ईमेलः kamalvet1995@gmail-com

'स्वच्छ दूध' स्वस्थ जानवरों से प्राप्त कच्चे दूध को संदर्भित करता है, जिसे स्वच्छ परिस्थितियों में उत्पादित और नियंत्रित किया गया है, इसमें बहुत कम संख्या में हानिरहित बैक्टीरिया होना चाहिए और यह खतरनाक रासायनिक अवशेषों से मुक्त होना चाहिए। स्वच्छ दूध उत्पादन (सीएमपी) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें निवारक प्रथाओं का एक सेट शामिल है जो पशु को स्वस्थ और बीमारियों से मुक्त रखने में मदद करता है

स्वच्छ दध उत्पादन के तरीके

1. झुंड का स्वास्थ्य – झुंड उन रोगजनकों से मुक्त होना चाहिए जो दूध के माध्यम से मनुष्यों में फैल सकते हैं। पशुओं को समय–समय पर संक्रामक रोगों की जांच कराते रहना चाहिए

2. स्वच्छ जानवर – दूध में गंदगी को रोकने के लिए दूध देने वाले को दूध देने से ठीक पहले गायों के पेट और थन को साफ करना चाहिए।

3. स्वच्छ परिवेश – दूध देने के समय जिस स्थान पर पशु को बांधा जाता है, वह स्थान धूलयुक्त नहीं होना चाहिए,

4. मक्खियों का नियंत्रण – डेरीमैन के लिए मक्खी नियंत्रण उपाय महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे टाइफाइड, पेचिश और अन्य संक्रामक रोगों के लिए वेक्टर के रूप में कार्य कर सकते हैं।

5. दूध दुहने वालों की सफाई – वे स्वयं संचारी रोगों से मुक्त हों और साफ कपड़े पहने हों, नाखून कटे हों, दूध पिलाते समय इधर–उधर न थूकें या बात न करें।

6. साफ बर्तन – सभी प्रकार के दूध देने वाले बर्तन यथासंभव स्वच्छ और रोगजनकों से मुक्त होने चाहिए। साबुन का उपयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि यह एक चिकना फिल्म छोड़ता है।

7. दूध पैन का प्रकार – दूध निकालने के दौरान खुली बाल्टियों या बर्तनों के बजाय गुंबद के आकार के शीर्ष वाले सेनेटरी मिल्किंग पेल का उपयोग किया जाना चाहिए।

8. स्ट्रेनिंग – तलछट और अन्य विदेशी सामग्री को हटाने के लिए स्ट्रेनिंग की जाती है। इसे अशुद्ध दूध के आवरण के रूप में प्रयोग नहीं करना चाहिए।

9. दूध पिलाना – पशुओं को दूध पिलाने से एक घंटे पहले दूध पिलाना चाहिए। दुहने वाली गायों को व्यस्त रखने के उद्देश्य से दुहते समय केवल सांद्रण प्रदान करें जो कम धूल वाला हो।

10. दूध को अच्छी तरह से ठंडा करके स्टोर करें – दूध दुहने के बाद सर्दियों में दूध देने वाली बाल्टियों को ठंडे पानी में रखकर ठंडा करना चाहिए। गर्मियों में बर्फ के टुकड़े पानी में मिलाए जा सकते हैं यदि लागत अनुमति देती है।

निष्कर्ष

स्वच्छ दूध उत्पादन दूध जनित संक्रमणों की संभावना को कम करता है और उपभोक्ताओं के अंत तक दूध की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करता है।